विकासशील राज्य शोध केन्द्र
दिल्ली विश्वविद्यालय
दिल्ली – 110007

संश्लेषण

(डी सी आर सी हिन्दी मासिक पत्रिका)

मुख्य कथ्यः 'भारतीय कृषि और कृषकः नीति, नीयत एवं नियति'

लेखकों के लिए आवश्यक निर्देश

1. लेख मुख्य कथ्यः 'भारतीय कृषि और कृषकः नीति, नीयत एवं नियति' के किसी भी आयाम पर आधारित होना चाहिए।

2. लेख हिन्दी भाषा में ही स्वीकृत होंगे।

3. लेख 1200–1500 शब्दों तक सीमित होना चाहिए।

4. लेख निम्न प्रारूप के अनुसार होना चाहिएः

   क) अक्षर (फॉन्ट) – कृतिदेव 011, यूनिकोड एवं मंगल
   ख) अक्षर आकार – 14
   ग) पंक्ति अंतराल – 1.5

5. लेख मौलिक तथा बिना संदर्भ के होना चाहिए। प्रत्येक लेख केन्द्र के साहित्यिक चौर्य सॉफ्टवेयर (**Plagiarism Software**) द्वारा जाँच के पश्चात ही समीक्षा के लिए समीक्षक को अग्रेषित होगा। निर्धारित मानक (10 प्रतिशत) से अधिक साहित्यिक चौर्य की स्थिति में लेख अस्वीकृत कर दिया जायेगा।

6. लेखक का नाम, पद/संस्थागत संबद्धता प्रथम पृष्ठ पर ही होना चाहिए।

7. सह–लेखन केवल दो लेखकों तक ही सीमित है। लेखक/सह–लेखक किसी भी रुप में केवल एक ही लेख प्रेषित कर सकते हैं।

8. लेखक/कों को एक प्रख्यापन/घोषणापत्र (संलग्न) दना होगा जिसमें उन्हें यह घोषित करना होगा कि उनका यह लेख पूर्ण रूप से मौलिक है तथा अन्यत्र न तो प्रकाशित हुआ है और न ही प्रकाशन के लिए कहीं ओर प्रेषित किया गया है।

9. लेख को स्वीकृत एवं अस्वीकृत करने का अंतिम निर्णय संपादक मंडल का ही होगा।

10. प्रकाशित लेख विकासशील राज्य शोध केन्द्र, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली की बौद्धिक सम्पदा होगा।

लेख प्रेषण:

1. लेख (घोषणा पत्र सहित) केवल कृतिदेव 011, यूनिकोड एवं मंगल अक्षर (फॉन्ट) एम.एस.वर्ड प्रारूप में ही synthesis.dcrc@gmail.com पर मेल किया जा सकता है।

प्रेषण सीमारेखा:

लेख को प्रेषित करने की अंतिम तिथि **बुधवार, 14 अक्तूबर 2020** है।

संपर्क:

किसी भी पूछताछ के लिए संपादकीय मंडल – synthesis.dcrc@gmail.com/+91-11-27666281 से संपर्क स्थापित किया जा सकता है।

संपादक मंडल

घोषणा

मैं / हम _____

यह घोषणा करते हैं कि मेरा / हमारा यह लेख जिसका शीर्षक _____

है, पूर्ण रूप से मौलिक है। यह लेख अन्यत्र न तो प्रकाशित हुआ है और न ही प्रकाशन के लिए कहीं ओर प्रेषित किया गया है।

[हस्ताक्षर]

[नाम]

[पद / संस्थान]

दूरभाष संख्याः

ईमेलः

तिथिः स्थानः